भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं.1757 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र के जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण

1757. श्रीमती स्मिता उदय वाघ:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत हुई प्रगति की समीक्षा की है, जिसमें पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों की संख्या तथा किए गए कार्यों की स्थिति भी शामिल है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास उक्त योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चयनित रेलवे स्टेशनों का राज्य-वार और मंडल-वार आंकड़ा है, यदि हाँ, तो जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित विशेष रूप से महाराष्ट्र का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए बेहतर यात्री सुविधाओं, सार्वभौमिक सुगम्यता, बहु-माध्यमीय एकीकरण, हरित अवसंरचना और डिजिटल सुविधाओं के विकास संबंधी उपाय किए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने इस योजना का यात्री सुविधा, क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार उक्त योजना के अंतर्गत जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य में तेजी लाने का है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान बनाने में निम्नानुसार कार्य शामिल किए गए हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों भागों के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी बूथ में सुधार कार्य
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- एक स्टेशन एक उत्पाद जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। स्टेशनों को शहर के केंद्रों में विकसित करने से बेहतर यात्रा अनुभव के अलावा स्टेशनों पर और उसके आसपास बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की परिकल्पना के उद्देश्य से की गई है।

अभी तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र के जलगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अमलनेर, चालीसगांव, धरणगांव, पाचोरा जंक्शन और जलगांव स्टेशनों में स्थित हैं।

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेलवे), दादर (पश्चिम रेलवे), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस

		इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सातारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्यविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

<u>कार्य संपन्न स्टेशन:</u>

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में कार्य संपन्न स्टेशनों का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	20	आमगांव, बारामती, भायखला, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, हिमायतनगर, केडगांव, लासलगांव, लोणंद जंक्शन, मलकापुर, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाद, वडाला रोड

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्य की प्रगति निम्नानुसार दी गई है:

जलगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र:

•अमलनेर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 पर नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार की ओर नए स्टेशन भवन का कार्य, नया 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, नया प्रवेश और निकास द्वार, नया शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग क्षेत्र और प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार किया गया है।

•चालीसगांव स्टेशन: स्टेशन प्रवेश द्वार प्रगांण, प्रवेश द्वार, चाहरदीवारी और नए प्लेटफॉर्म शेल्टरों का कार्य पूरा हो गया है। 12 मीटर चौड़े नए पैदल पार पुल, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, स्टेशन रोशनी और साइनेज के कार्य शुरू किए गए हैं।

•धारागांव स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार की ओर बुकिंग कार्यालय, नया 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग क्षेत्र में सुधार का कार्य किया गया है।

•पचोरा जंक्शन स्टेशन: नए बुकिंग कार्यालय, प्रवेश द्वार, चाहरदीवारी, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, पैदल पार पुल, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। मौजूदा पैदल पुल के लिए लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।

•जलगांव स्टेशन की मास्टर योजना तैयार की जा रही है। मास्टर योजना एक अनवरत प्रक्रिया है जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस तरह के इष्टतमीकरण हेतु समय सीमा और अन्य विवरण इस स्तर पर चिन्हित नहीं किए जा सकते हैं।

•छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन: नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, उत्तर की ओर नए रेल सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस भवन का कार्य पूरा किया गया है। दक्षिण की ओर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी

पैदल पुल, थ्रू रूफ, उत्तर और दक्षिण की ओर नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की ओर नया अपशिष्ट उपचार संयंत्र, नए विद्युत सब-स्टेशन भवन के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर यात्री सुविधाओं के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता के अनुसार, प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किया जाता है। स्टेशन की कोटि/स्थिति/प्रबंधित यातायात आदि के आधार पर स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण किया जाता है।

भारतीय रेल भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" या 'ऐक्सेसिबल इण्डिया कैम्पेन' के तहत विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजनों) और कम गतिशील यात्रियों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों को सुगम्यग बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों तक पहुंच और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए है। इन दिशानिर्देशों में दिव्यांगजनों और कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों के लिए सुविधाएं यथा प्रवेश रैम्पा, सुगम्यं पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्पी/लिफ्टों के साथ सब-वे/पैदल पार पुल, ब्रेल साइनेज सहित मानक प्रदर्श-व्यववस्था और दृष्टि अशक्तो लोगों के लिए स्पर्शि मार्ग आदि की व्यवस्था की गई है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी

चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। महाराष्ट्र राज्य चार रेलवे जोन अर्थात्, मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन जोन के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3,543 करोड़ रु. का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 1,671 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

*****